[इकाई 3 : विद्यालय शिक्षण की व्यवस्थाएँ]

* कक्षा - कक्ष शिक्षण की प्रकृति : परम्परागत, बालकेंद्रित, लोकतांत्रिक, सृजनात्मक, आदि

कक्षा - कक्ष विद्यालय का एक प्रमुख अंग है। बच्चों का ज्यादा से ज्यादा समय कक्षा - कक्ष में ही बीतता है। शिक्षण कार्य से जुड़ा हुआ अधिकर कार्य यही पर होता है। इसीलिए कक्षा - कक्ष की प्रकृति ऐसा होना चाहिए कि बच्चे यहाँ खुद को सहज महसूस करें। कक्षा - कक्ष की प्रकृति इस प्रकार है -

i) परम्परागत - शुरुआत में शिक्षण कार्य का लगभग सभी काम कक्षा - कक्ष तक ही सीमित था। कक्षा - कक्ष शिक्षक - केंद्रित था। समय के साथ शिक्षा के बदलते रूप के वजह से कक्षा - कक्ष के पारंपरिक स्वरूप में परिवर्तन आया है। ऐसे में अधिगम का स्त्रोत सिर्फ कक्षाकक्ष को नही माना जाता है बल्कि इसके लिए शैक्षणिक परिवेश का निर्माण किया जाता है।

ii) बालकेंद्रित - बालकेंद्रित का अर्थ है सीखने का वैसी प्रक्रिया जिसमें बालक सहज स्वभाव में सीखने को प्रेरित हो। बच्चों के खेल, चित्र विडियो या अन्य गतिविधियों द्वारा सीखाने का प्रयास किया जाए। परंपरागत रूप में रटने पर जोड़ दिया जाता था लेकिन बालकेंद्रित शिक्षा में समझाने का कोशिश किया जाता है। बच्चो में उत्सुकता जागृत करने का कोशिश किया जाता है ताकि ~~वह~~ वो खुद सीखने

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

के लिए प्रेरित हो।

iii) लोकतांत्रिक - वर्तमान समय का कक्षा-कक्ष लोकतांत्रिक होता है। इसका मतलब सभी बच्चों को समान महत्व दिया जाता है तथा सभी के विचारों को सुना जाता है। सभी बच्चों को सीखने का समान अवसर दिया जाता है। ~~विद्यालय में~~ कक्षा में भिन्न-भिन्न आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश के बच्चे होते हैं उनमें कोई अंतर नहीं किया जाता है।

iv) सृजनात्मक - सृजनात्मक यानि बच्चों को कुछ नया करने का अवसर दिया जाता है। उन्हें खुद से कर के सीखने का मौका दिया जाता है। बच्चों में सृजन का गुण होना अतिआवश्यक है। इससे वो किसी समस्या को नये ढंग से हल कर पाते हैं। और उनका सोचने-समझने का शक्ति का विकास होता है।

v) समावेशी कक्षा - इस तरह के कक्षा-कक्ष का मतलब है, विशिष्ट बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा प्रदान करना। इसके लिए कुछ सहाय उपकरणों जैसे ब्रेल लिपि, इत्यादि का प्रयोग किया जाता है। साथ ही कुछ विशेष प्रशिक्षित शिक्षकों को भी बहाल किया जाता है। ऐसे कक्षा-कक्ष से बच्चों में आत्मशक्ति का विकास होता है।

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

* कक्षा-कक्ष संचालन : कक्षा की व्यवस्था, कक्षा में सम्प्रेषण एवं सीखने-सिखाने के विविध स्तर

कक्षा-कक्ष संचालन का अर्थ है, कक्षा में ~~ऐसा~~ ऐसा वातावरण हो कि वहाँ शिक्षण कार्य सुचारु रूप से चल सके। कक्षा-कक्ष में आवश्यकतानुसार शिक्षण अधिगम वस्तुएँ उपलब्ध हो। शिक्षक बच्चों के साथ सकारात्मक रिश्ता बनाए ताकि कक्षा-कक्ष में अच्छे से सम्प्रेषण हो सके। शिक्षक अपने कक्षा-कक्ष में विभिन्न शिक्षण गतिविधियों का प्रयोग कर शिक्षण कार्य करें। सभी बच्चों के मानसिक स्तर में थोड़ा अंतर होता है। इस बात का ध्यान रखते हुए अलग-अलग उदाहरणों का प्रयोग करें। बच्चों को सीखने के लिए समय-समय पर उत्साहित करते रहे। कक्षा संचालन के समय शिक्षकों को निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए-

i) परिवेश का निर्माण
ii) शिक्षण अधिगम सामग्री का व्यवस्था
iii) शिक्षण अधिगम विधियाँ
iv) शिक्षण अधिगम गतिविधियाँ
v) बच्चों को अच्छे व्यवहार करने को प्रेरित करना
vi) प्रत्येक विद्यार्थियों पर नजर रखना
vii) स्पष्ट निर्देश देना
viii) शिक्षक-शिक्षार्थी के बीच अंतः क्रिया
ix) पाठ का क्रमबद्ध पढ़ाना
x) बीच-बीच में आकलन करना
xi) भाषा शैली, हाव-भाव और स्वर की गति पर ध्यान देना।

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

* सीखने की योजना (लर्निंग प्लान): अवधारणा, योजना निर्माण, क्रियान्वयन तथा स्वमूल्यांकन

जब कोई शिक्षक प्रशिक्षण ले रहे होते है, उस दौरान उन्हें कुछ महीना विद्यालय में पढ़ाने का कार्य दिया जाता है। जिससे शिक्षु-प्रशिक्षु को व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होता है। सीखने की योजना निर्माण करने का उद्देश्य होता है कि एक घंटी में जितना विषय-वस्तु के भाग को पढ़ाना है पढ़ा सके। एक घंटी सामान्यतः 45 मीनट के होते है, इसमें शिक्षक को विभिन्न क्रियाएं करने होता है। जैसे- विषय-वस्तु की जानकारी देना, इसे प्रस्तुत करना, बच्चों का बीच-बीच में आकलन करना, शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग करना, विभिन्न शिक्षण विधियों का प्रयोग करना इत्यादि। सीखने की योजना से एक रूपरेखा तैयार हो जाता है। इससे कक्षा-कक्ष सुचारू रूप से चलाने में मदद मिलता है। सिखने की योजना में विभिन्न जानकारी होती है। जैसे- शिक्षक, शिक्षक का नाम, पाठ का नाम, पीरियड, विषय, टॉपिक, दिनाक, कक्षा, इसे सूचनात्मक विवरण कहते है। सिखने की योजना में मुख्यतः निम्न जानकारी भरी जाती है-

i) सूचनात्मक विवरण
ii) विषय-वस्तु से जुड़ी पूर्व ज्ञान
iii) विषय-वस्तु का विवरण
iv) सिखने-सीखाने की विधि

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

v) उपयोग किया गया शिक्षण अधिगम सामग्री
vi) बच्चों से पूछे जाने वाले सवाल
vii) अवलोकन
viii) मूल्यांकन इत्यादि
यें सभी शिक्षु-प्रशिक्षु द्वारा स्वयं भरा जाता है।

* पाठ्य-सहगामी व सह-शैक्षिक क्रियाएँ: महत्व, योजना एंव क्रियान्वयन (गतिविधियाँ, कला, खेल इत्यादि)

पाठ्य-सहगामी व सह-शैक्षिक क्रियाएँ विद्यालय में पाठ्यक्रम के साथ-साथ चलती है। इन क्रियाएँ द्वारा किसी भी विषय-वस्तु को रूचिकर बनाया जाता है। यह बालकेंद्रित शिक्षा प्रभावी रूप से होने में मदद करता है। इसमें बच्चों का क्रियाएँ सम्मिलित होता है। जिससे बच्चों में गतिशीलता उत्पन्न होता है और उनका मानसिक, शारीरिक विकास होता है। पाठ्य सहगामी क्रियाएँ के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ कला, खेल इत्यादि का आयोजन किया जाता है। जैसे- बच्चों को गिनती सीखाना हो तो उसे कविता द्वारा सिखाई जाती है।

इसका महत्व निम्नलिखित है:-
i) शारीरिक विकास - खेलो में बच्चे भाग लेते है।
ii) मानसिक विकास - बच्चे स्वयं से कार्य करते है।
iii) व्यक्तित्व विकास - इन गतिविधियों में भाग लेकर बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है, और उनका व्यक्तित्व का विकास होता है।

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner

→ मुख्य सहगामी क्रियाऐं निम्नलिखित है-

i) साहित्यिक क्रियाऐ - वाद-विवाद, भाषण, एकांकी, नाटक, अन्त्याक्षरी इत्यादि

ii) शैक्षिक क्रियाऐं - विज्ञान प्रोजेक्ट, इतिहास, भूगोल प्रोजेक्ट

iii) शारीरिक क्रियाऐं - कबड्डी, खो-खो, फुटबॉल, लम्बी कूद - -.

iv) कलात्मक क्रियाऐं - चित्रांकन, रेखाचित्र, गीत-संगीत, लोकनृत्य, मूर्तिकला ..

v) सामाजिक क्रियाऐं - श्रमदान, साफ-सफाई, प्राथमिक चिकित्सा - -.

→ क्रियान्वयन

इसके क्रियान्वयन हेतु विद्यालय में ~~उपयुक्त~~ उपयुक्त जगह, भवन, सामग्री उपलब्ध होना चाहिए। सभी विद्यार्थियों को इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। जिनमें रूचि नहीं हो, उनमें रूचि जागृत करने का कोशिश करना चाहिए। यह ध्यान रखना चाहिए कि अधिकांश क्रियाऐं विद्यालय परिसर में ही संचालित हो जायें। इसके लिए समय-सारणी भी तैयार कर लेना चाहिए। जिससे यह सुचारू और व्यवस्थित रूप से चले। सभी बच्चों को समान अवसर और सुविधाऐं प्रदान करें। इन क्रियाऐं के लिए जो शुल्क लिया जाता है उसका अलग से हिसाब रखा जाए।

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner